

# ITADC TEXDESK

## E-NEWSLETTER

AUGUST 2026

कार्यालय वस्त्र आयुक्त, भारत सरकार का मासिक ई-न्यूज़लेटर

खंड 1 | अंक 3

भारत टेक्स 2026 क्या है?

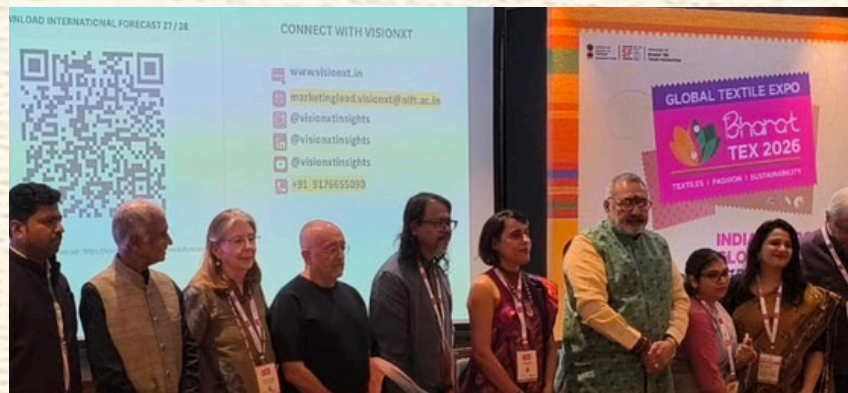


**भारत टेक्स 2026** भारत का प्रमुख वैश्विक वस्त्र आयोजन है, जो संपूर्ण वस्त्र एवं परिधान मूल्य शृंखला को एक ही मंच पर एक साथ लाता है। यह आयोजन वस्त्र, परिधान, तकनीकी वस्त्र, मशीनरी, सतत विकास, नवाचार एवं विनिर्माण के क्षेत्र में देश की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है तथा वैश्विक व्यापार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। प्रदर्शनी, सम्मेलन, क्रेता-विक्रेता बैठकें, उत्पाद लॉन्च एवं ज्ञान-विनिमय सत्रों के माध्यम से भारत टेक्स उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तियों, नवप्रवर्तकों, नीति-निर्माताओं, स्टार्टअप्स, निर्माताओं और वैश्विक खरीदारों को जुड़ने, सहयोग करने तथा वस्त्र क्षेत्र के भविष्य को आकार देने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करता है।

**प्रयोगशाला से करघे तक — परंपरा में नवाचार की बुनाई**  
श्री शिशुकुमार लाल, मेसर्स गोपालन सिल्क, भागलपुर पावरलूम क्लस्टर



**श्री शिशुकुमार लाल, भागलपुर के बुनकर-सह-उद्यमी तथा मेसर्स गोपालन सिल्क** के स्वामी हैं। उन्होंने डिज़ाइन में नवाचार, उत्पाद विविधीकरण और बाजारोन्मुखी पहल के माध्यम से अपने पारंपरिक बुनाई व्यवसाय को एक नई दिशा प्रदान की है। दिनांक 27-28 अप्रैल 2026 को ITAD द्वारा आयोजित ट्रेड एवं फैशन पूर्वानुमान प्रशिक्षण के पश्चात, ITADC भागलपुर ने उन्हें भागलपुरी वस्त्रों की विरासत को संरक्षित रखते हुए समकालीन डिज़ाइनों और बदलती बाजार आवश्यकताओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। पूर्व में यह इकाई मुख्य रूप से स्थानीय बाजार के लिए पारंपरिक सादे भागलपुरी चादर का उत्पादन करती थी। इसके बाद उद्यम ने अपने उत्पादों में विविधता लाते हुए आकर्षक बुने हुए पैटर्न और आधुनिक रंग संयोजनों से युक्त डिज़ाइनर चादर, शॉल, ड्रेस मटेरियल और स्टोल का उत्पादन शुरू किया। इसके अतिरिक्त, बाटिक-प्रेरित डिजिटल प्रिंट तथा मधुबनी कला के पारंपरिक रूपांकनों को भी अपनाया गया। इस प्रकार बिहार की समृद्ध कलात्मक परंपराओं को भागलपुरी वस्त्रों के साथ समाहित कर विशिष्ट एवं बाजारोन्मुखी उत्पाद तैयार किए गए।



कार्यालय वस्त्र आयुक्त/आईटीएडीसी, भागलपुर द्वारा तत्पश्चात श्री शिशुकुमार लाल की भारत टेक्स 2026 में भागीदारी को सुगम बनाया गया, जहाँ उन्हें बिहार राज्य मंडप में साझा स्टॉल आवंटित किया गया। उनके नवोन्मेषी उत्पाद रूपांतरण, विशेष रूप से पारंपरिक भागलपुरी चादर में बाटिक प्रिंटिंग के माध्यम से किए गए मूल्यवर्धन, को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। इस उत्पाद को 9 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित वस्त्र मंत्रालय में आयोजित बैठक के दौरान **माननीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह एवं वस्त्र सचिव श्रीमती नीलम शमी राव** के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया। माननीय मंत्री द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों के आधार पर हल्के रंगों के शेड विकसित किए गए और बाद में भारत टेक्स 2026 में प्रदर्शित किए गए, जहाँ इन्हें माननीय मंत्री द्वारा सराहा गया। प्रदर्शनी के माध्यम से प्रत्यक्ष बाजार अवसर भी प्राप्त हुए और लगभग सात संस्थानों/इकाइयों से उत्पाद के संबंध में पूछताछ प्राप्त हुई। संभावित खरीदारों के साथ उत्पाद के नमूने साझा किए गए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग ₹55,000 मूल्य के व्यावसायिक ऑर्डर प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त, श्री शिशुकुमार लाल को चार संभावित नए ऑर्डरों के संबंध में पूछताछ भी प्राप्त हुई है। उन्हें विशेष रूप से दुर्गा पूजा के आगामी मौसम से पहले इन पूछताछ को नए व्यावसायिक ऑर्डरों में परिवर्तित होने की उम्मीद है।



## तकनीकी वस्त्रों के भविष्य के लिए भारत-जर्मनी सहयोग



भारत-जर्मनी युवा नेतृत्व कार्यक्रम (IGYLP) के अंतर्गत जर्मनी के आचेन स्थित आईटीए समूह (ITA Group), जिसका प्रतिनिधित्व प्रो. थॉमस ग्रीज़ ने किया, तथा डीकेटीई सोसाइटी के टेक्सटाइल एंड इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट, इचलकरंजी के बीच एक आशय पत्र (LoI) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता **भारत सरकार की वस्त्र आयुक्त, मुंबई, श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, IRS, तथा श्री अश्विनी कुमार पांडे, निदेशक एवं क्षेत्रीय अधिकारी, नवी मुंबई** की उपस्थिति में भारत टेक्स 2026 के दौरान संपन्न हुआ। इस आशय पत्र के माध्यम से भारतीय इंजीनियरिंग छात्रों के लिए जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व अनुभव, भाषा प्रशिक्षण एवं उद्योग जगत से परिचय प्राप्त करने हेतु एक सुव्यवस्थित मार्ग तैयार करने के उद्देश्य से शैक्षणिक साझेदारी स्थापित की गई है। इसके अंतर्गत IGYLP के तहत डीकेटीई को शैक्षणिक भागीदार के रूप में शामिल करने की भी परिकल्पना की गई है, जिससे छात्र आदान-प्रदान, ज्ञान-विनिमय तथा उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में भारत-जर्मनी सहयोग को और सुदृढ़ करती है तथा नवाचार, कौशल विकास और भावी प्रतिभाओं के विकास के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई को संस्थागत ऋण एवं TSRS से जोड़ना

स्थान: आईटीएडीसी, राणाघाट, नदिया, पश्चिम बंगाल



वित्तीय जागरूकता बढ़ाने तथा औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आईटीएडीसी, राणाघाट द्वारा वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई के लिए ऋण सुविधाओं एवं TSRS पंजीकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंजाब नेशनल बैंक, आईडीबीआई बैंक तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों ने तकनीकी सत्रों के माध्यम से एमएसएमई ऋण उत्पादों, सरकार द्वारा समर्थित ऋण योजनाओं, डिजिटल ऋण आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड, आवश्यक दस्तावेज तथा बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रखने के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान टेक्सटाइल स्टैटिस्टिकल रिटर्न्स सिस्टम (TSRS) के अंतर्गत पंजीकरण को भी प्रोत्साहित किया गया। इस पहल से आईटीएडीसी, बैंकिंग संस्थानों, उद्योग संघों एवं वस्त्र उद्यमियों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने के साथ-साथ संस्थागत वित्त एवं सरकारी सहायता तंत्र के संबंध में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली। हितधारकों से प्राप्त सुझावों में वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई को समेकित सहायता प्रदान करने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने तथा जिला उद्योग केंद्र के साथ अधिक निकटता से समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

## तकनीकी वस्त्रों में अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा



भारत टेक्स 2026 में एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर के साथ तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में अनुसंधान, उत्पाद विकास, तकनीकी नवाचार तथा उद्योग-शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। **श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, IRS, वस्त्र आयुक्त, भारत सरकार, मुंबई तथा श्री अजय पंडित, अपर वस्त्र आयुक्त** ने द मैन-मेड टेक्सटाइल्स रिसर्च एसोसिएशन (MANTRA), सूरत; इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल एंड अपैरल डेवलपमेंट सेंटर (ITADC-पांडेसरा एवं सचिन, सूरत); तथा रतनमोती टेक्सफैब (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, इचलकरंजी के प्रतिनिधियों के साथ MoU पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में सहभागिता की। इस सहयोग का उद्देश्य ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, अनुसंधान साझेदारियों को सुदृढ़ करना तथा उन्नत तकनीकी वस्त्र समाधानों के विकास में तेजी लाना है। यह पहल नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है तथा एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी तकनीकी वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में योगदान देती है।

## क्लस्टर आउटरीच के माध्यम से वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई को सशक्त बनाना

स्थान: कामगाछी-जयपुर, नदिया, पश्चिम बंगाल



अपने निरंतर जनसंपर्क एवं जागरूकता प्रयासों के अंतर्गत, आईटीएडीसी, राणाघाट ने कामगाछी-जयपुर में एक क्लस्टर भ्रमण किया। इसका उद्देश्य वस्त्र उद्यमियों से सीधे संवाद स्थापित करना तथा एमएसएमई के विकास को प्रभावित करने वाली चुनौतियों को समझना था। हितधारकों के साथ हुई बातचीत से यह सामने आया कि संस्थागत वित्त, सरकार द्वारा समर्थित ऋण योजनाओं तथा औपचारिक बैंकिंग सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में जागरूकता सीमित है। इस भ्रमण से क्लस्टर की वित्तीय आवश्यकताओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई तथा लक्षित जागरूकता पहलों की आवश्यकता स्पष्ट हुई। इस संवाद के दौरान प्राप्त सुझावों एवं जानकारी के आधार पर ऋण तक पहुँच में सुधार, सरकारी योजनाओं को बढ़ावा देने तथा वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई के सतत विकास को समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से एक समर्पित जागरूकता कार्यक्रम की नींव रखी गई।



## सफलता की कहानियाँ

## वस्त्र क्षेत्र में सतत परिवर्तन को गति प्रदान करना



भारत के सतत एवं समावेशी वस्त्र क्षेत्र के प्रति संकल्प को रेखांकित करते हुए, UNIDO के सहयोग से भारत टेक्स 2026 के दौरान “वस्त्र क्षेत्र के समावेशी हरित रूपांतरण की दिशा” विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। **श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, IRS, वस्त्र आयुक्त, भारत सरकार, मुंबई** ने मुख्य वक्तव्य देते हुए माननीय प्रधानमंत्री के मिशन LiFE, आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत@2047 के विज़न को रेखांकित किया। उन्होंने वस्त्र मूल्य शृंखला में सततता, परिपत्रता एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने में पीएम मित्र पार्क, पीएलआई, TEEM, Tex-Eco तथा SAMARTH 2.0 की भूमिका पर विशेष बल दिया। इस सत्र में UNIDO, ABFRL, GIZ, विश्व बैंक, GATS, CMAI एवं Grant Thornton के विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा वस्त्र क्षेत्र में हरित रूपांतरण, परिपत्र अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास से संबंधित अपने विचार एवं अनुभव साझा किए।

## भारत टेक्स 2026 में आशय पत्र के आदान-प्रदान से परिपत्र वस्त्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा



**श्रीमती वृंदा मनोहर देसाई, IRS, वस्त्र आयुक्त, भारत सरकार, मुंबई** ने भारत टेक्स 2026 के दौरान नीदरलैंड्स स्थित RE&UP Technologies Holding B.V. के साथ एक आशय पत्र (LoI) का आदान-प्रदान किया। यह कार्यक्रम **सुश्री आरती कंवर, अपर सचिव, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार** की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस आशय पत्र के माध्यम से RE&UP ने भारत में लगभग 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की मंशा व्यक्त की है। इस निवेश के अंतर्गत बड़े पैमाने पर टेक्सटाइल-टू-टेक्सटाइल पुनर्चक्रण अवसंरचना स्थापित करने का प्रस्ताव है, जिसकी संभावित क्षमता प्रति वर्ष 5 लाख मीट्रिक टन तक होगी। इस परियोजना का उद्देश्य उपभोक्ता-पूर्व एवं उपभोक्ता-पश्चात वस्त्र अपशिष्ट को अगली पीढ़ी के पुनर्चक्रित रेशों, पल्प एवं चिप्स में परिवर्तित करना है, जिससे एक सतत एवं परिपत्र वस्त्र मूल्य शृंखला को बढ़ावा मिलेगा। प्रस्तावित निवेश मिशन LiFE एवं विकसित भारत@2047 के अंतर्गत वस्त्र क्षेत्र में सततता, संसाधन दक्षता एवं नवाचार को बढ़ावा देने के भारत सरकार के विज़न के अनुरूप है। साथ ही, यह पहल सतत वस्त्र विनिर्माण में निवेश के लिए भारत की एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थिति को और मजबूत करती है।

## ई-कॉमर्स में सहयोग के माध्यम से वित्तीय जागरूकता को सुदृढ़ करना

जुआला एंटरप्राइजेज — तिरुप्पुर



श्री बाबुकुमार पी. के स्वामित्व में वर्ष 2006 में स्थापित जुआला एंटरप्राइजेज तिरुप्पुर स्थित एक परिधान विनिर्माण इकाई है, जो महिलाओं के बुने हुए परिधानों, विशेष रूप से लेगिंग्स, के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। इकाई ने वर्ष 2012 में अपनी समर्पित विनिर्माण सुविधा स्थापित की और तब से आरामदायक एवं टिकाऊ महिलाओं के परिधानों का उत्पादन कर घरेलू परिधान बाजार में योगदान दे रही है। लगभग ₹2 करोड़ के वार्षिक कारोबार के साथ यह उद्यम तिरुप्पुर के परिधान विनिर्माण क्षेत्र की विकास क्षमता और उद्यमशीलता की संभावनाओं को दर्शाता है। डिजिटल सरकारी प्लेटफॉर्मों के साथ अपने निरंतर जुड़ाव के अंतर्गत, जुआला एंटरप्राइजेज ने 31 जुलाई 2026 को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल पर सफलतापूर्वक पंजीकरण किया, जिससे सरकारी खरीद प्रक्रिया में अधिक व्यापक भागीदारी के अवसर प्राप्त हुए। इस प्रक्रिया में ईरोड-ITADC द्वारा आवश्यक सहयोग एवं सुविधा प्रदान की गई। यह पहल दर्शाती है कि स्थापित वस्त्र एवं परिधान इकाइयाँ अपने बाजार अवसरों का विस्तार करने तथा भारत के विकसित होते वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों का प्रभावी ढंग से लाभ उठा सकती हैं।

## तकनीकी परामर्श के माध्यम से वस्त्र नवाचार को बढ़ावा देना

सीट्रा आईटीएडीसी, करूर, तमिलनाडु

सीट्रा आईटीएडीसी, करूर द्वारा जुलाई 2026 के दौरान प्राकृतिक रेशों के मिश्रण, पुनर्चक्रित यार्न के विकास, कपड़े में सिकुड़न तथा रेशों में अशुद्धियों से संबंधित विषयों पर वस्त्र क्षेत्र के हितधारकों को तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया। कपास, पॉलिएस्टर और रेशम के साथ केले के रेशों के मिश्रण का विश्लेषण किया गया, ताकि मिश्रित यार्न एवं कपड़े की सतह पर विभिन्न रेशों के वितरण का मूल्यांकन किया जा सके। इसके अतिरिक्त, पुनर्चक्रित कपास के साथ भांग, केले और सन के रेशों के मिश्रण से OE स्पिनिंग के लिए भी तकनीकी परामर्श दिया गया। इसमें रेशों को मुलायम करने, प्रक्रिया संबंधी मानकों के अनुकूलन तथा CSP के संदर्भ में मिश्रण अनुपात पर तकनीकी सुझाव दिए गए। एक अन्य मामले में, खरीदार के नमूने और ग्राहक द्वारा विकसित कपड़े के बीच सिकुड़न में अंतर की जांच की गई। विश्लेषण से पता चला कि ग्राहक द्वारा विकसित यार्न में ट्विस्ट 20% कम था, जिसके कारण सिकुड़न में अंतर उत्पन्न हुआ। समस्या के समाधान के लिए ग्राहक को सिकुड़न अध्ययन हेतु 20% अधिक ट्विस्ट वाले यार्न का उपयोग करने की सलाह दी गई, जिससे समस्या का समाधान हो गया। सीट्रा आईटीएडीसी, करूर ने स्थानीय OE बाजार में उपलब्ध पुनर्चक्रित रेशों में मौजूद PP, लाइक्रा, जूट, रबर तथा अन्य अशुद्धियों की पहचान करने में भी सहायता प्रदान की। अशुद्धियों की उचित पहचान कर रेशा आपूर्तिकर्ताओं को आवश्यक सुझाव दिए गए, जिससे तैयार पुनर्चक्रित OE यार्न में अशुद्धियों को कम करने में सहायता मिल सके।



सफलता की कहानियाँ

उत्पाद विकास के लिए तकनीकी परामर्श  
श्री सुंदरा विनायगर टेक्सटाइल्स, राजापालयम, तमिलनाडु



श्री सुंदरा विनायगर टेक्सटाइल्स, जो केरल के बाजार में धोतियों का नियमित आपूर्तिकर्ता है, ने अपने उत्पाद विकास संबंधी प्रयास के तहत एक ग्राहक से प्राप्त धोतियों के डिज़ाइन को पुनः तैयार करने के लिए सीट्रा आईटीएडीसी, राजापालयम से संपर्क किया। सीट्रा आईटीएडीसी, राजापालयम ने प्राप्त नमूने की जांच एवं परीक्षण कर उसके पुनरुत्पादन के लिए आवश्यक तकनीकी विशिष्टताओं का निर्धारण किया। इसमें ताना एवं बाना यार्न की काउंट, यार्न के प्रकार तथा रीड एवं पिक संबंधी विनिर्देश शामिल थे। विश्लेषण के आधार पर केंद्र द्वारा उपयुक्त यार्न के संबंध में सुझाव, खरीद के लिए संभावित स्रोत तथा एक विस्तृत तकनीकी परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई। सीट्रा आईटीएडीसी, राजापालयम द्वारा प्रदान किए गए तकनीकी मार्गदर्शन एवं विशिष्टताओं के आधार पर श्री सुंदरा विनायगर टेक्सटाइल्स अब उत्पादन शुरू करने तथा इस उत्पाद को केरल बाजार में अपनी नियमित आपूर्ति में शामिल करने की योजना बना रहा है। श्री जी. बालासुब्रमणियन, प्रोपराइटर, श्री सुंदरा विनायगर टेक्सटाइल्स, राजापालयम को तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया।

विशेषज्ञ मार्गदर्शन के माध्यम से तकनीकी समाधान  
प्रदान करना  
वस्त्र क्षेत्र के हितधारक, इरोड, तमिलनाडु

आईटीएडीसी, इरोड ने स्थानीय वस्त्र क्षेत्र के हितधारकों को उनकी विशिष्ट गुणवत्ता एवं परीक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा उन्हें उपयुक्त तकनीकी संस्थानों से जोड़ने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री अरुमुगम एजेंसी, मणिकूंडु, इरोड ने आयामी स्थिरता (Dimensional Stability) तथा नायलॉन पिर्न की मजबूती से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए संपर्क किया। इकाई को आवश्यक तकनीकी परीक्षण एवं सहायता के लिए सीट्रा, कोयंबटूर तथा सिपेट, चेन्नई से संपर्क करने का मार्गदर्शन दिया गया। एक अन्य मामले में, मेसर्स हरिसिनी यार्न्स एंड फैब्रिक्स, बी.पी. अग्रहारम, इरोड ने कपड़े में दिखाई देने वाले छेदों की समस्या के संबंध में तकनीकी सहायता मांगी। रिपोर्ट की गई समस्या के आधार पर, आईटीएडीसी, इरोड ने इसके संभावित कारण के रूप में करघे में यांत्रिक समस्या की पहचान की, जिससे इकाई को उचित सुधारात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिली। इस प्रकार के लक्षित तकनीकी मार्गदर्शन एवं संस्थागत समन्वय के माध्यम से आईटीएडीसी, इरोड वस्त्र इकाइयों को उत्पादन एवं गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों के समाधान में निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है।

कौशल एवं उद्यमिता के माध्यम से महिलाओं का  
सशक्तिकरण  
श्रीमती आर. इरुलायम्माल, वीआर स्पोर्ट्स, राजापालयम, तमिलनाडु



श्रीमती आर. इरुलायम्माल, राजापालयम के कृष्णापुरम गाँव की एक निराश्रित महिला हैं। उन्होंने अक्टूबर 2025 में तमिलनाडु सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सीट्रा आईटीएडीसी, राजापालयम से परिधान निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उन्हें तमिलनाडु सरकार के समाज कल्याण विभाग के माध्यम से निःशुल्क सिलाई मशीन प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने वीआर स्पोर्ट्स नाम से अपना स्वयं का परिधान निर्माण उद्यम स्थापित किया। दृढ़ संकल्प एवं मेहनत के बल पर उन्होंने अपनी इकाई को एक लघु-स्तरीय परिधान उत्पादन उद्यम के रूप में विकसित किया, जिसमें पाँच महिलाएँ एवं पाँच सिलाई मशीनें कार्यरत हैं। यह इकाई स्पोर्ट्सवियर तथा स्कूल एवं कॉलेज यूनिफॉर्म के ऑर्डर तैयार करती है। वर्तमान में यह इकाई कुशलतापूर्वक संचालित हो रही है, जिससे श्रीमती इरुलायम्माल को स्थायी आय का स्रोत प्राप्त हो रहा है और स्थानीय समुदाय की अन्य महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। इकाई के दौरे के दौरान सीट्रा आईटीएडीसी, राजापालयम के अधिकारियों ने उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया तथा व्यवसाय के विस्तार के लिए उपलब्ध ऋण एवं वित्तीय सहायता के अवसरों के बारे में जानकारी दी। इसमें जिला उद्योग केंद्र (DIC), विरुधुनगर के माध्यम से सब्सिडी से जुड़ी ऋण सहायता तथा तमिलनाडु इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन (TIIC) के माध्यम से उपलब्ध ऋण सुविधाएँ शामिल हैं। उन्हें आगे के विस्तार के लिए उपयुक्त वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु DIC से संपर्क करने की सलाह दी गई। कठिन परिस्थितियों से निकलकर आत्मनिर्भर उद्यमी एवं नियोक्ता बनने तक की श्रीमती आर. इरुलायम्माल की यात्रा यह दर्शाती है कि कौशल विकास, सरकारी सहायता एवं उद्यमिता किस प्रकार महिलाओं को सशक्त बनाने, आजीविका के अवसर पैदा करने तथा स्थानीय समुदायों में रोजगार सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आईटीएडीसी के अधिकारियों द्वारा इकाई का दौरा कर तकनीकी मार्गदर्शन एवं व्यवसाय विस्तार के लिए ऋण-संबद्ध योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।



## सफलता की कहानियाँ

### तकनीकी परामर्श के माध्यम से लागत दक्षता को बढ़ावा देना

श्री आर. शक्तिवेल, वागरायनपालयम, तमिलनाडु



श्री आर. शक्तिवेल ने 4 मीटर की धोती की फैब्रिक कॉस्टिंग के संबंध में तकनीकी परामर्श हेतु सीट्रा आईटीएडीसी, सोमणूर से संपर्क किया। केंद्र द्वारा धोती के नमूने का विश्लेषण कर उसकी फैब्रिक संरचना, यार्न विनिर्देश, EPI एवं PPI, यार्न की खपत तथा संबंधित विनिर्माण लागत का आकलन किया गया। विश्लेषण के आधार पर सीट्रा आईटीएडीसी, सोमणूर ने एक विस्तृत कॉस्टिंग मॉडल तैयार किया, जिसमें ताना एवं बाना यार्न की आवश्यकताएँ, बॉर्डर यार्न की खपत, साइजिंग, वार्पिंग, वाइंडिंग, बुनाई, फोल्डिंग, पैकिंग, परिवहन तथा मूल्य ह्रास से संबंधित लागत को शामिल किया गया। आकलन के अनुसार, प्रति धोती कुल विनिर्माण लागत ₹190.81 निर्धारित की गई। विस्तृत कॉस्टिंग शीट ने उद्यमी को उत्पादन योजना, कच्चे माल के प्रभावी उपयोग एवं प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए एक विश्वसनीय आधार प्रदान किया। इससे कॉस्टिंग संबंधी त्रुटियों को कम करने तथा लागत दक्षता में सुधार करने में भी सहायता मिली। इस तकनीकी परामर्श के माध्यम से सीट्रा आईटीएडीसी, सोमणूर ने श्री आर. शक्तिवेल को फैब्रिक कॉस्टिंग के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाने तथा उत्पादन एवं मूल्य निर्धारण से संबंधित सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाया।

### ई-कॉमर्स के माध्यम से बाजार पहुंच का विस्तार

नवकार टेक्सटाइल, इंदौर, मध्य प्रदेश

श्री अभिषेक जैन, नवकार टेक्सटाइल, इंदौर के स्वामी ने इकाई के व्यवसाय का विस्तार करने तथा पारंपरिक बाजार से आगे नए ग्राहकों तक पहुंच बनाने के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए एटीआर आईटीएडीसी, इंदौर से संपर्क किया। बातचीत के दौरान बाजार विकास एवं ग्राहकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए नए तरीकों की आवश्यकता पर चर्चा की गई। इकाई की आवश्यकताओं को समझते हुए, एटीआर आईटीएडीसी, इंदौर ने नवकार टेक्सटाइल को व्यवसाय के विकास के लिए एक अतिरिक्त माध्यम के रूप में ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने हेतु मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन दिया। इकाई को व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंच बनाने के लिए अपने उत्पादों को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एटीआर आईटीएडीसी, इंदौर द्वारा प्रदान किए गए सहयोग एवं मार्गदर्शन से नवकार टेक्सटाइल ने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति स्थापित की और “द होमसेंट” (The Homecent) ब्रांड नाम के अंतर्गत होम टेक्सटाइल उत्पादों की बिक्री शुरू की। इसके उत्पादों में डोहर्स, कम्फर्टर्स, बेडस्प्रेड, बेडशीट तथा अन्य होम फर्निशिंग एवं वस्त्र उत्पाद शामिल हैं।

इस पहल के माध्यम से इकाई को अपने बाजार का विस्तार करने, व्यापक ग्राहक वर्ग से जुड़ने, स्वयं का ब्रांड स्थापित करने तथा मौजूदा व्यवसाय के साथ एक अतिरिक्त बिक्री माध्यम विकसित करने में सफलता मिली। इस हस्तक्षेप के माध्यम से एटीआर आईटीएडीसी, इंदौर ने नवकार टेक्सटाइल को ई-कॉमर्स के माध्यम से डिजिटल रूपांतरण एवं व्यापक बाजार तक पहुंच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने में सहयोग प्रदान किया।

### क्षेत्रीय सहभागिता के माध्यम से वित्तीय जागरूकता को सुदृढ़ करना

स्थान: डांगापाड़ा, नदिया, पश्चिम बंगाल



आईटीएडीसी, राणाघाट ने अपने क्षेत्रीय जनसंपर्क अभियान को जारी रखते हुए डांगापाड़ा में एक क्लस्टर भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वस्त्र उद्यमियों से संवाद कर संस्थागत वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में उनके सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को समझने का प्रयास किया। चर्चाओं से सरकार द्वारा समर्थित एमएसएमई ऋण योजनाओं, ऋण पात्रता, बैंकिंग प्रक्रियाओं तथा वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में अधिक जागरूकता की आवश्यकता सामने आई। इस भ्रमण से आईटीएडीसी और स्थानीय वस्त्र क्षेत्र के हितधारकों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने में मदद मिली तथा उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान हुई, जहाँ हैंडहोलिंग सहायता एवं वित्तीय जागरूकता की आवश्यकता थी। भ्रमण के दौरान प्राप्त सुझावों एवं जानकारी ने बैंकिंग संस्थानों एवं उद्योग संघों की सहभागिता से वस्त्र क्षेत्र के एमएसएमई के लाभ के लिए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम की योजना तैयार करने में सीधे योगदान दिया।

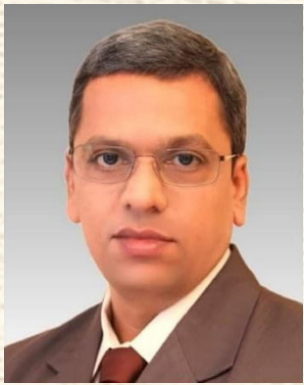


### भारत टेक्स 2026 में आईटीएडीसी गैलरी





## भारत टेक्स 2026 पर प्रतिक्रिया



**श्री अक्षय सिंह चौहान आईटीएडीसी, पांडेसरा** “भारत टेक्स 2026 ने ‘फार्म से विदेशी बाजार तक’ की परिकल्पना को प्रभावशाली ढंग से साकार किया है। इसने भारत की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत को अत्याधुनिक सतत नवाचार के साथ सहज रूप से जोड़ते हुए इसे अभूतपूर्व वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया है।”



प्रदर्शनी अत्यंत शानदार रही और इसमें फाइबर से लेकर फैब्रिक, फैशन तथा तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों सहित संपूर्ण वस्त्र मूल्य शृंखला को समाहित किया गया। **श्री निलय पांड्या OIC, ITADC सूरत**



व्यवसाय संवर्धन, नेटवर्किंग तथा बाजार विस्तार के लिए यह एक उत्कृष्ट मंच रहा। उन्होंने अपनी भागीदारी को सुगम बनाने के लिए वस्त्र मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पहल उनके व्यवसाय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगी। वस्त्र क्लस्टर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह देखा गया कि इरोड वस्त्र क्लस्टर के लगभग 13 निर्माताओं ने अपने-अपने स्टॉल स्थापित किए और अपने उत्पादों, नवीन डिज़ाइनों आदि का प्रदर्शन किया। प्रतिभागी निर्माताओं ने भारत टेक्स 2026 के माध्यम से उपलब्ध कराए गए इस अवसर की सराहना की और कहा कि यह आयोजन व्यवसाय संवर्धन, नेटवर्किंग तथा बाजार विस्तार के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में सिद्ध हुआ। भ्रमण के दौरान सहायक निदेशक एवं OIC ने विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉलों का भी दौरा किया, जिसमें विशेष रूप से तमिलनाडु मंडप का अवलोकन किया गया। **श्री एम. लोकेश आईटीएडीसी, इरोड**



भारत टेक्स 2026 भारत के वस्त्र क्षेत्र की क्षमता, विविधता और नवाचार को अनुभव करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच रहा। इस आयोजन ने वस्त्र मूल्य शृंखला से जुड़े प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया, जिससे संवाद एवं ज्ञान के आदान-प्रदान के महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुए। प्रदर्शनी में उभरती प्रौद्योगिकियों, सतत समाधानों तथा उद्योग के बदलते रुझानों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। इस आयोजन ने सार्थक औद्योगिक संपर्क स्थापित करने तथा संभावित सहयोग के अवसर तलाशने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार की पहलें भारत के वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ करने तथा वैश्विक स्तर पर इसकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।” **श्री इकबाल अहमद संयुक्त वस्त्र आयुक्त, कार्यालय वस्त्र आयुक्त, मुंबई**



वस्त्र क्षेत्र से संबंधित नवीनतम अपडेट, पहलों एवं अवसरों की जानकारी के लिए हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यालय वस्त्र आयुक्त से जुड़ें। **हमसे जुड़ने के लिए QR कोड स्कैन करें।**



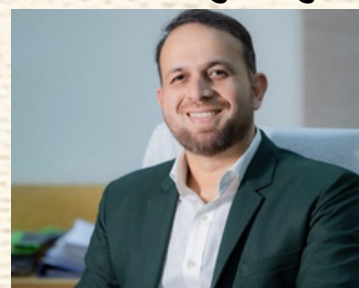
भारत टेक्स 2026 जहाँ परंपरा का प्रौद्योगिकी से संगम होता है और भारत का विश्व से मिलन होता है। प्रदर्शित किए गए उत्पादों को देखने का अनुभव अत्यंत शानदार और ज्ञानवर्धक रहा।

**श्री धनराज मीणा सहायक निदेशक, आईटीएडीसी किशनगढ़**



भारत टेक्स 2026 में भागीदारी ने प्रमुख वस्त्र निर्माताओं, खरीदारों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं एवं सरकारी एजेंसियों के साथ संवाद स्थापित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस आयोजन से वस्त्र क्षेत्र में उभरती

प्रवृत्तियों, नवीनतम तकनीकों एवं बाजार की आवश्यकताओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। इससे वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, नवाचारों एवं व्यावसायिक अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही, इस आयोजन ने सार्थक औद्योगिक संपर्क स्थापित करने तथा जबलपुर वस्त्र क्लस्टर के विकास के लिए संभावित सहयोग के अवसर तलाशने में भी सहायता की। **श्री संदीप कुमार दुबे प्रभारी, आईटीएडीसी जबलपुर**



“भारत टेक्स 2026” ने वैश्विक वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को देखने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने निर्माताओं, खरीदारों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और उद्योग से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक ही मंच पर एकत्रित किया। इस अवसर पर उभरती प्रौद्योगिकियों, नवाचारों और बदलते बाजार रुझानों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। प्रदर्शित किए गए विविध प्रकार के उत्पादों और समाधानों ने वस्त्र मूल्य शृंखला के विभिन्न क्षेत्रों में भारत की क्षमताओं को प्रभावी रूप से प्रदर्शित किया। इस आयोजन ने सार्थक संवाद, विचार-विमर्श और सहयोग के नए अवसरों को भी प्रोत्साहित किया, जिससे वस्त्र क्षेत्र के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को और अधिक मजबूती मिली। **डॉ. सर्वेश्वर भुरे संयुक्त वस्त्र आयुक्त वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, मुंबई**



क्या आपने सही उत्तर दिया? उत्तर है: 11